COTTON Innovate
Weekly Newsletter from Central Institute for Cotton Research, Nagpur

Issue :2, Volume : 6, June 2016 A weekly newsletter from ICAR-CICR

"Swachhta Pakhawara" at CICR, RS, Sirsa

Under the umbrella of Swachh Bharat Mission the "Swachhta Pakhawara" beginning on 16th May 2016 was celebrated by CICR Regional Station, Sirsa. The programme began with the pledge administered by D. Monga, Head, CICR, Regional Station, Sirsa to all the staff members. On this eve the activities done in the past towards cleanliness drive were reviewed. The activities were discussed and planned for the fortnight "Swachhta Pakhawara" including cleaning within and around the CICR Regional Station campus, farmers awareness towards clean and green agriculture in Mera Gaon Mera Gaurav villages, promotion of clean and green technologies, weed management for cotton pest management, promoting compost making, whitewashing of the gate and boundary walls, plantation of new tree etc. were planned. A seven member team was constituted for implementing the activities under Swachh Bharat Mission. The team CICR Regional Station did cleaning of the office campus and surrounding areas under the leadership of Dr. D Monga, Head, CICR RS, Sirsa.

Meeting Attended

- Dr. G. Balasubramani, Principal scientist (Biotechnology) attended the meeting of "GM crops in India - Way forward" under the Chairmanship of Prof S. K. Sopory, Former Vice-Chancellor JNU, New Delhi on 17th May 2016 at NASC Complex, New Delhi. Dr. T. Mohapatra, Secretary DARE & DG, ICAR, Dr. J. S. Sandhu, DDG (CS), DR. Krishna Kumar DDG (Hort Sc), Dr. S.R. Rao, DBT and Dr. S.K. Datta former DDG (CS) attended the meeting
- Dr Rishi Kumar, Principal Scientist (Agril Entomology) imparted training to team of United Phosphorus Limited working in the North Cotton Growing Zone of India in Heritage Village Resort & Spa, Naharpur Rd, IMT Manesar, Manesar, New Gurgaon, Haryana 122050 on 19.05.2016. In the training discussions were held regarding the biology and life stages of whitefly, alternate hosts especially the non crop hosts, and non chemical methods of management including the proper placement of available chemistries based on the pest monitoring data. In the training, discussions were also held regarding the spray technology.
- Dr D Monga attended the second meeting of the subcommittee of RCGM to review the field efficacy of BG III RRF cotton to develop risk assessment and risk management documents and identify gaps in the available data on BG III RRF cotton in Indian context under Chairmanship of Dr K R Kranthi, Director CICR Nagpur on 20.05.16 at DBT, New Delhi.

सफेद मक्खी प्रकोप

15 टिप्स अपनाएं, बेहतर उत्पादन पाएं

सी.आई.सी.आर. ने सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए बनाई नई योजना, 40 सदस्यों की टीम गांवों में जाकर किसानों को बता रही टिप्स

सिरसा, 23 मई (अरुण भारद्वाज): सफेद सोना यानी नरमा-कपास की उपज। पिछला सीजन इस फसल के लिए काफी नुक्सानदायक रहा क्योंकि पूरी फसल को सफेद मक्खी ने ही चट कर दिया था। अब नरमा-कपास की बिजाई का दौर फिर से शुरू हो गया है। लिहाजा, इस सीजन में सफेद मक्खी का सी.आई.सी.आर. ने नया तोड़ निकाला है। इसके तहत विभाग द्वारा न केवल किसानों को जागरूक कर बचाव का पाठ पढ़ाया जा रहा है बल्कि इस विभाग की 40 सदस्यीय टीम भी गांव-गांव जाकर किसानों को 15 टिप्स बता रही है। माना जा रहा है कि यदि किसान इन 15 टिप्स को अपना लें तो उत्पादन कहीं बेहतर होगा।

यह है नया प्रयोग

केंद्रीय कपास अनुसंधान (सी.आई.सी.आर.) नरमा-कपास की फसल को लेकर इस दफा काफी चौकस है। कारण साफ है कि पिछले सीजन में न केवल उत्पादन में कमी आई बल्कि सी.आई.सी.आर. के शोध पर भी सफेद मक्खी का बुरा प्रभाव पड़ा। ऐसे में अब फिर से नए सीजन के तहत नरमा-कपास की बिजाई शुरू हो चुकी है। बताया गया है कि पूरे हरियाणा में अब तक करीब 70 फीसदी बिजाई हो चुकी है और 25 मई तक शेष बिजाई भी कम्प्लीट हो जाएगी। हालांकि पिछली दफा हुए नुक्सान को देखते हुए अधिकांश किसानों ने इस बार नरमा-कपास की बिजाई न करने का मन बनाया था। इस पर सी.आई.सी.आर. गंभीर हुआ और उन्होंने किसानों को प्रोत्साहित करने के लिहाज से सफेद मक्खी के लिए नया प्रयोग अपनाया है। इस प्रयोग के तहत सी.आई.सी.आर. ने बीजों को शॉर्टलिस्ट किया है और किसानों को जागरूक करने के लिए भी कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इस प्रयोग के लिए 40 कृषि वैज्ञानिकों के ग्रुप बनाए गए हैं और सभी ग्रुप को जोन वाइज गांवों में भेजा जा रहा है। हरेक ग्रुप हर हफ्ते गांवों में जाकर न केवल मौजूदा स्थिति का आंकलन करेंगे बल्कि किसानों को भी बिजाई के लिए विधि बताएंगे।

'सी.आई.सी.आर. सफेद मक्खी को लेकर काफी गंभीर है क्योंकि पिछला अनुभव उनका काफी कड़वा रहा है। ऐसे में इस दफा ऐसी कोई स्थिति न हो, के लिए सी.आई.सी.आर. ने नया प्रयोग किया है। इस प्रयोग के तहत किसानों को 15 टिप्स दिए जा रहे हैं ताकि किसान उनकी बात को मानें और इसी के तहत वे नरमा-कपास की बिजाई करें। ऐसे करने से परिणाम काफी सार्थक हासिल होंगे'

-डा. दिलीप मोंगा, प्रधान वैज्ञानिक।

ऐसे पढ़ा रहे पाठ

सी.आई.सी.आर. के वैज्ञानिक गांव गांव जाकर किसानों को चौपाल व जागरूक कार्यक्रम के तहत सबसे पहले सफेद मक्खी पनपने की वजह बताते हैं। किसानों को बताया जाता है कि यह सब किसानों द्वारा मिक्सर बीज इस्तेमाल करने से ही सफेद मक्खी को बढ़ावा मिला है। यही नहीं बीजों के चयन में भी भूल हुई है। ऐसे में किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा 15 टिप्स बताए जा रहे हैं। इनमें किसानों को नसीहत दी जा रही है कि सफेद मक्खी की निगरानी हेतु कपास व दूसरे पौधे जैसे कि सब्जियां फूलों वाले सजावटी पौधे, खरपतवार, वृक्षारोपण फसलों इत्यादि का नियमित सर्वेक्षण करें तथा कपास की फसल के आसपास यदि बैंगन, भिंडी, मिर्च, टमाटर या कद्दू जाति की सब्जियां लगी हैं तो उन पर सफेद मक्खी की ठीक से निगरानी करें। सफेद मक्खी व विषाणु पत्ता मरोड़ रोग के प्रति सहनशील किस्में या हाईब्रिड उगाएं। कुछ इस तरह की जानकारियां सी.आई.सी.आर. किसानों तक मुहैया करवा रहा है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि किसानों ने उनकी 15 बातों को खेती का आधार मान लिया तो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं होगा।

पंजाब केसरी 23 मई, 2016

Produced and Published by: Dr. K. R. Kranthi, Director, CICR, Nagpur
Chief Editor : Dr. S. M. Wasnik
Editors : Dr. J. Annie Sheeba, Dr. Vishlesh Nagrare, Dr. J. Amutha, Dr. M. Saravanan
Digital Editor, design & Media Support : Mr. M. Sabesh

Citation : Cotton Innovate, Issue-2, Volume-6, 2016, ICAR-Central Institute for Cotton Research, Nagpur.

Publication Note: This Newsletter presented online at http://www.cicr.org.in/cotton_innovate.html

Cotton Innovate is the Open Access CICR Newsletter

The Cotton Innovate – is published weekly by
ICAR-Central Institute for Cotton Research
Post Bag No. 2, Shankar Nagar PO, Nagpur 440010
Phone : 07103-275536; Fax : 07103-275529;
email: cicrnagpur@gmail.com, director.cicr@icar.gov.in